ब्रहस्पतिवार, 28 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

नशे और बीमारी से जंग की दर्दनाक कहानी

Page-05

पश्चिम एशिया संकट का असर भारत पर, रोजमर्रा की चीजें हो सकती हैं महंगी

क्रिसिल की नवीनतम क्विकनॉमिक्स रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक कमोडिटी और ऊर्जा की कीमतों में आई तीव्र वृद्धि अब कच्चे तेल से आगे बढ़कर भारत में भी रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुओं को महंगा कर सकती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि निर्माताओं को कच्चे तेल और गैस से लेकर तांबा, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और रसायनों तक की इनपुट लागतों में तेजी से वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उपभोक्ताओं से ली जाने वाली कीमतें अभी तक उसी गति से नहीं बढ़ी हैं। क्रिसिल ने कहा कि उसका थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित इनपुट-आउटपुट अनुपात अप्रैल 2026 में 44 महीनों में पहली बार 1.0 के पार पहुंच गया, जो इस बात का संकेत है कि कंपनियां अब आउटपुट कीमतों की तुलना में इनपुट लागतों में तेजी से वृद्धि देख रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है इनपुट कीमतों में 6.2 प्रतिशत की मासिक वृद्धि के कारण यह अनुपात 1.02 रहा, जबकि आउटपुट कीमतों में मामूली 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरल शब्दों में रिपोर्ट इंगित करती है कि कंपनियां उत्पादों के निर्माण के लिए काफी अधिक भुगतान कर रही हैं, लेकिन अब तक उन्होंने इन लागतों का केवल एक सीमित हिस्सा ही उपभोक्ताओं पर डाला है। रिपोर्ट में लागत में अचानक हुई वृद्धि को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से जोड़ा गया है, और कहा गया है कि इस व्यवधान ने मुद्रास्फीति के झटके को तेल बाजारों से परे व्यापक औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं तक फैला दिया है। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से अन्य इनपुट श्रेणियों पर भी इसका असर और बढ़ गया है, जबकि निर्माता पहले से ही तांबा और एल्युमीनियम जैसे महत्वपूर्ण इनपुट की बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं।

प्रशांत किशोर की उम्मीदवारी पर बढ़ी चर्चा

जन सूरज पार्टी (जेएसपी) बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में चुनाव लड़ेगी। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने बुधवार को यह बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक चाहते हैं कि जेएसपी के संस्थापक प्रशांत किशोर चुनाव लड़ें। जनवरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितिन नबीन के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने पर यह सीट रिक्त हो गई थी। चुनाव आयोग ने अभी तक उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। जन सूरज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी ने पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले आगामी उपचुनाव में चुनाव लड़ने का "सैद्धांतिक रूप से" निर्णय ले लिया है। जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वे स्वयं उम्मीदवार होंगे, तो किशोर ने वही जवाब दिया जो वे पहले भी दे चुके हैं: "यह पार्टी का निर्णय है।" 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी उन्होंने यही जवाब दिया था, और तब उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था। लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग हैं।

असम विधानसभा में UCC बिल पास

- **विपक्ष ने बिल को सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग की और सदन में जमकर नारेबाजी की, लेकिन स्पीकर ने मांग खारिज कर दी।**
- **लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण नहीं कराने पर 3 महीने तक की सजा का प्रावधान रखा गया है।**

असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (UCC) विधेयक को मंजूरी दे दी। इस कानून का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों को धर्म आधारित अलग-अलग कानूनों के बजाय एक समान कानूनी व्यवस्था के तहत लाना है।विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों ने इसे विस्तृत समीक्षा के लिए सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग की, लेकिन सरकार ने इसे सदन में पारित करा लिया। बिल के पास होने के बाद असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद ऐसा करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है। 'यूनिफॉर्म सिविल कोड, असम, 2026 बिल' पर पूरे दिन चली चर्चा के बाद स्पीकर रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इसे पास कराने के लिए पेश करने को कहा। दास ने विपक्ष की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें बिल को और ज़्यादा चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की बात कही गई थी। इसके विरोध में विपक्षी सदस्य सदन के वेल में आ गए और बिल पास होने तक लगातार नारेबाज़ी करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाने के बीच, स्पीकर ने बिल को ध्वनि मत से पास करने के लिए पेश किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा बिल के पक्ष में वोट दिए जाने के बाद, स्पीकर ने घोषणा की, "मैं घोषणा करता हूँ कि यह बिल पास हो गया है।" जैसे ही बिल पास हुआ, सदन में ज़ोरदार तालियों के साथ उसका स्वागत किया गया।

बता दें कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और 'लिव-इन रिलेशनशिप' जैसे व्यक्तिगत मामलों पर एक समान कानून लागू करने के उद्देश्य से असम सरकार ने सोमवार को समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक पेश किया था, जिसमें बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने और लिव-इन संबंधों के पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि, विधेयक में कहा गया है कि यह असम में रहने वाले अनुसूचित जनजाति समुदाय पर लागू नहीं होगा।

पीएम मोदी से मुलाकात में तमिलनाडु के मुद्दों पर हुई चर्चा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले दिन में, विजय इस महीने की शुरुआत में पदभार संभालने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु के मंत्री आदव अर्जुन और कई वरिष्ठ मंत्री विजय के साथ दिल्ली यात्रा पर है। हालांकि यात्रा का विस्तृत आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, सूत्रों ने बताया कि विजय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सीतारमण के साथ अपनी मुलाकात में, विजय राज्य से संबंधित चल रही परियोजनाओं और प्रमुख अंतर-राज्यीय मुद्दों के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैं। बैठकों के दौरान, विजय राज्य की मांगों को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें कल्याण और अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धन आवंटन, विकास पहलों के लिए मंजूरी, मेकेदातु मुद्दा और पीएम श्री योजना का कार्यान्वयन शामिल है। तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस द्वारा किए गए चुनाव के बाद गठबंधन के बाद विजय के सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, विजय 28 मई को चेन्नई लौटेंगे। तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु चुनावों में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के बाद 10 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने अपनी पहली दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं, अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता और मेकेदातु जैसे अंतर-राज्यीय मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। विजय केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं से भी मिलेंगे, जिससे केंद्र-राज्य संबंधों और राजनीतिक गठबंधन पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

युद्ध में हार चुके हैं इजराइल-अमेरिका

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध थमता नहीं दिख रहा है. अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई औपचारिक युद्धविराम समझौता नहीं हो पाया है और हालात फिर से बिगड़ते नजर आ रहे हैं. पिछले 48 घंटों में तनाव तब और बढ़ गया, जब ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम तोड़ने का आरोप लगाया. ईरान का कहना है कि अमेरिका ने दक्षिणी प्रांत होरमोजगन में सैन्य कार्रवाई कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है. दरअसल अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोमवार को दावा किया था कि उसने दक्षिणी ईरान में मिसाइल ठिकानों और कुछ नौकाओं पर हमला किया. अमेरिका के मुताबिक ये नौकाएं खाड़ी क्षेत्र में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं. इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने दावा किया कि उसने अमेरिकी विमानों को निशाना बनाया, जो कथित तौर पर ईरानी हवाई सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे. ईरान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी सेना लगातार गैरकानूनी और उकसावे वाली कार्रवाई कर रही है और पिछले 48 घंटों में उसने युद्धविराम का खुला उल्लंघन किया है.

केरल में ईडी रेड पर बवाल

घर छापेमारी के बाद सड़कों पर उतरे CPI(M) कार्यकर्ता

केरल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन और उनकी बेटी से जुड़े परिसरों पर ईडी की कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में CPI(M) कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए।

तिरुवनंतपुरम में विरोध प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब कुछ कार्यकर्ताओं ने तलाशी अभियान के बाद लौट रही ईडी टीम के वाहन पर हमला कर दिया।प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर केंद्रीय एजेंसी के वाहन को रोककर उसकी विंडशील्ड तोड़ दी और ईडी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घटना के दौरान वाहन में महिला अधिकारी भी मौजूद थीं। राजधानी तिरुवनंतपुरम में सुबह से कई घंटों तक विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई जारी रही। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।ईडी ने केरल में कुल 10 स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें तिरुवनंतपुरम स्थित विजयन का आवास, कन्नूर में उनका पैतृक घर और उनके दामाद तथा पूर्व मंत्री मोहम्मद रियास का कोझिकोड स्थित घर भी शामिल था। तलाशी अभियान शुरू होने के बाद सैकड़ों CPI(M) समर्थक इन परिसरों के बाहर जमा हो गए और केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे।हंगामे के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर प्लास्टिक की बोतलें, हेलमेट और पत्थर फेंकने की भी खबर सामने आई। बाद में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप कर कार्यकर्ताओं को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रित किया।ईडी की यह कार्रवाई कथित रिश्वत मामले से जुड़ी बताई जा रही है। आरोप है कि 2018 और 2019 के बीच कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (CMRL) ने विजयन की बेटी टी वीना की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को बिना किसी सेवा के लगभग 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। यह छापेमारी केरल हाई कोर्ट द्वारा CMRL की उस याचिका को खारिज किए जाने के एक दिन बाद हुई, जिसमें ईडी की जांच रोकने की मांग की गई थी।

80 की उम्र के करीब ट्रंप ने कराई मेडिकल जांच

स्वास्थ्य को लेकर फिर उठे सवाल

अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति की चिकित्सा जांच आम नागरिकों की वार्षिक जांच से कहीं अधिक व्यापक होती है। राष्ट्रपति की कमांडर-इन-चीफ की भूमिका और इस पद के भारी शारीरिक और मानसिक तनाव को देखते हुए, चिकित्सकों को यह मूल्यांकन करने का दायित्व सौंपा जाता है कि कहीं कोई स्वास्थ्य समस्या उनके नेतृत्व संबंधी जिम्मेदारियों में बाधा तो नहीं डाल रही है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में एक और चिकित्सा जांच करवाई। 79 वर्षीय राष्ट्रपति ने सैन्य अस्पताल में तीन घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे व्हाइट हाउस ने निवारक चिकित्सा और दंत जांच बताया। अस्पताल से निकलते ही, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्होंने अपनी छह महीने की शारीरिक जांच पूरी कर ली है और सब कुछ बिल्कुल ठीक है। फिर भी, राष्ट्रपति के आत्मविश्वासपूर्ण संदेश के बावजूद, व्हाइट हाउस या चिकित्सक अमेरिकी कैप्टन शॉन बारबेला द्वारा तुरंत कोई विस्तृत चिकित्सा रिपोर्ट जारी नहीं की गई, जिससे इस बारे में लंबे समय से चले आ रहे सवाल फिर से उठ खड़े हुए कि अमेरिकी जनता अपने कमांडर-इन-चीफ के स्वास्थ्य के बारे में वास्तव में कितना जानती है। यह ताजा जांच ऐसे समय में हो रही है जब ट्रंप आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले अपनी ताकत और दृढ़ता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप अगले महीने (14 जून) 80 वर्ष के हो जाएंगे, जिससे वे संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में सबसे अधिक उम्र के मौजूदा राष्ट्रपति बन जाएंगे। उनके पूर्ववर्ती, जो बाइडेन को भी अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम वर्षों में इसी तरह की चिंताओं का सामना करना पड़ा था और अंततः अपनी उम्र और पद के लिए उपयुक्तता पर लगातार सार्वजनिक संदेह के बाद उन्होंने 2024 के चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था। उम्र के बावजूद ट्रंप लगातार खुद को ऊर्जावान और शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त दिखाने की कोशिश करते रहे हैं। हाल के हफ्तों में, उन्होंने बार-बार सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे दशकों पहले की तरह ही स्वस्थ महसूस करते हैं। उन्होंने फास्ट फूड के प्रति अपने प्रसिद्ध लगाव और सीमित व्यायाम के बारे में भी मजाक किया है, साथ ही यह भी कहा है कि वे अभी भी शारीरिक रूप से मजबूत हैं। साथ ही, ट्रंप ने यह भी खुले तौर पर स्वीकार किया है कि वे एयर फ़ोर्स वन की सीढ़ियों से उतरते समय अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं ताकि कोई ऐसी गलती न हो जाए जिससे सुर्खियां बन सकें। हाल के वर्षों में राष्ट्रपति के स्वास्थ्य को लेकर जनता की चिंता काफी बढ़ गई है, जिसका मुख्य कारण यह है कि ट्रंप और बाइडेन दोनों ही राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे उम्रदराज नेताओं में शामिल हो गए हैं। वाशिंगटन पोस्ट, एबीसी न्यूज और इप्सोस द्वारा अप्रैल में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि आधे से भी कम अमेरिकी वयस्कों का मानना था कि ट्रंप के पास राष्ट्रपति के कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए आवश्यक मानसिक क्षमता या शारीरिक स्वास्थ्य है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बात को खारिज कर दिया है कि ट्रंप की शारीरिक या मानसिक स्थिति बिगड़ रही है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता डेविस इंगले ने कहा राष्ट्रपति ट्रम्प अमेरिकी इतिहास के सबसे तेजतर्रार और सबसे सुलझे राष्ट्रपति हैं जो समस्याओं को हल करने और अपने वादों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, और उनका स्वास्थ्य उत्कृष्ट बना हुआ है।

सैन्य तकनीकों और हथियार प्रणालियों का परीक्षण किया किम ने परीक्षणों पर जताया संतोष

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसने अपने हालिया हथियार परीक्षणों में कई नई सैन्य तकनीकों और हथियार प्रणालियों का परीक्षण किया है, जिनमें परमाणु क्षमता वाली क्रूज मिसाइल और नए वॉरहेड शामिल हैं। यह जानकारी बुधवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के हवाले से सामने आई। नॉर्थ कोरिया के मुताबिक, इन परीक्षणों की निगरानी देश के नेता किम जोंग उन ने खुद की। इन परीक्षणों में बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम शामिल थे।दक्षिण कोरिया की सेना ने एक दिन पहले बताया था कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी समुद्री क्षेत्र की ओर कई प्रोजेक्टाइल दागे, जिनमें कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, यह मिसाइल करीब 80 किलोमीटर तक गई, हालांकि अन्य हथियारों के प्रकारों की पुष्टि नहीं की गई थी। दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के नए दावों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उत्तर कोरिया लगातार अपनी सैन्य क्षमता को आधुनिक और मजबूत बनाने में लगा हुआ है, खासकर तब से जब 2019 में उसके और अमेरिका के बीच बातचीत टूट गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कूटनीतिक बातचीत विफल होने के बाद किम जोंग उन ने हथियार कार्यक्रम तेज कर दिया है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया को अपना 'सबसे बड़ा दुश्मन' भी घोषित किया है और दोनों देशों के बीच पुराने संबंधों को लगभग खत्म कर दिया है। हाल ही में एक सैन्य बैठक में किम ने सीमा पर तैनात सैनिकों की ताकत बढ़ाने पर चर्चा की थी और कहा था कि सीमा को 'अभेद्य किले' में बदला जाएगा।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को मंजूरी

1200 किलोवॉट की क्षमता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश में रेल यात्रा के इतिहास में एक बड़ा कदम सामने आया है। रेलवे मंत्रालय ने देश की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन के संचालन को मंजूरी दे दी। यह ट्रेन जिंद से सोनीपत के बीच चलेगी और पूरी तरह हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित होगी, जिससे पर्यावरण को कम नुकसान होगा। इसमें डिस्ट्रीब्यूटेड पावर रोलिंग स्टॉक (Distributed Power Rolling Stock) तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे पूरी ट्रेन में संतुलित पावर सप्लाई होती है। RDSO, CCRS और PESO जैसी संस्थाओं ने इसकी सुरक्षा जांच और मानक तय किए हैं। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि सभी शर्तें पूरी होने के बाद ही इसका संचालन शुरू होगा। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को उत्तर रेलवे जोन के तहत जिंद और सोनीपत के बीच देश की पहली 10 कोच वाली हाइड्रोजन DEMU ट्रेन के संचालन को मंजूरी दी। यह ट्रेन डीजल या पारंपरिक बिजली के बजाय हाइड्रोजन फ्यूल सेल से बिजली बनाकर चलेगी। इस ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह भारत के लिए एक नई तकनीक है, जो रेलवे को पर्यावरण के लिहाज से ज्यादा साफ और आधुनिक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस ट्रेन की कुल पावर

क्षमता 1200 किलोवॉट होगी। इसमें डिस्ट्रीब्यूटेड पावर रोलिंग स्टॉक (DPRS) तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें पूरी ट्रेन में अलग-अलग कोचों में पावर सप्लाई होती है, किसी एक इंजन पर निर्भरता नहीं रहती। यह तकनीक न केवल ऊर्जा वितरण को बेहतर बनाती है, बल्कि ट्रेन के संचालन को भी अधिक स्थिर और संतुलित करती है।रेल मंत्रालय की मंजूरी से पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (RDSO) की तकनीकी स्वीकृति और कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (CCRS) की सुरक्षा जांच पूरी की गई है।

ऑडियो वायरल होते ही मचा घमासान

कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर कर रही

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बीजेपी नेता रेणुका सिंह के कथित वायरल ऑडियो ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है. भरतपुर-सोनहत विधानसभा सीट से विधायक और बीजेपी की सीनियर नेता रेणुका सिंह के दो ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. इन ऑडियो में वह अपनी ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाती सुनाई दे रही हैं. बीजेपी नेता रेणुका सिंह के कथित वायरल ऑडियो ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है. भरतपुर-सोनहत विधानसभा सीट से विधायक और बीजेपी की सीनियर नेता रेणुका सिंह के दो ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. इन ऑडियो में वह अपनी ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाती सुनाई दे रही हैं. बीजेपी विधायक रेणुका सिंह वायरल ऑडियो में कह रही हैं कि सरकार ऊपर से संचालित हो रही है. किसी को सीएम बनाकर तुरंत हटाया नहीं जा सकता, लेकिन ऊपर के लोग भी बहुत खुश नहीं हैं. राज्य में फिर से भूपेश बघेल की वापसी होगी, वे ही कांग्रेस के सीएम बनेंगे और इनको जेल भेजेंगे. वहीं, वायरल ऑडियो को लेकर सफाई देते हुए रेणुका सिंह ने कहा कि

यह मेरी आवाज नहीं है. यह AI जनरेटेड और फर्जी ऑडियो है. रेणुका ने कहा कि मैं बेटे के इलाज के लिए मुंबई आई हूं. इसके साथ बह उन्होंने सोशल मीडिया पर बेटे के इलाज का फोटो भी शेयर की है. इधर सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. समर्थक जहां इसे विधायक की बेबाकी बता रहे हैं, वहीं विरोधी इसे सरकार के अंदरूनी मतभेदों से जोड़कर देख रहे हैं. फिलहाल पूरे मामले पर सभी की नजरें पार्टी संगठन और रेणुका सिंह की अगली प्रतिक्रिया पर टिकी हुई हैं.

ईरान के खिलाफ जारी युद्ध को लेकर अमेरिका में विरोध बढ़ता जा रहा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ छेड़ी गई जंग से अब अमेरिका की जनता परेशान नजर आ रही है। हाल के दिनों में युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत में कुछ प्रगति के संकेत मिले थे, लेकिन समझौते की शर्तों को रिपब्लिकन नेताओं ने खारिज कर दिया। कई नेताओं ने चेतावनी दी कि ऐसा समझौता ईरान को पहले से ज्यादा मजबूत बना सकता है। ऐसे में अगर ईरान अपनी सख्त शर्तों पर कायम रहता है तो ट्रंप के लिए ऐसा रास्ता निकालना मुश्किल होगा, जिससे वे सम्मानजनक तरीके से युद्ध खत्म कर सकें। अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने कई सर्वे किए, जिसमें पाया गया कि इस युद्ध से अमेरिकी जनता थक चुकी है और उसे उम्मीद भी नहीं है कि इसका कोई सकारात्मक परिणाम भी निकलेगा। सर्वे में लोगों का मानना है कि जंग खत्म होने के बाद भी अमेरिका को इससे कोई खास फायदा मिलने वाला है। कई सर्वे में सामने आया है कि अमेरिका के ज्यादातर लोग अब जंग को खत्म होते देखना चाहते हैं। एक सर्वे में 61 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अमेरिका को सैन्य कार्रवाई सीमित समय के भीतर खत्म कर देनी चाहिए। वहीं 52 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं भी होता, तब भी अमेरिका को युद्ध रोक देना चाहिए। वहीं

जनता को भरोसा नहीं है कि यह जंग ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर पाएगा। केवल 22 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यदि युद्ध पूरी तरह सफल होगा। वहीं आधे से ज्यादा लोगों को इस पर संदेह है। अमेरिकी लोगों का मानना है कि इस युद्ध से आतंकवाद का खतरा बढ़ सकता है, मध्य-पूर्व में अस्थिरता और बढ़ेगी और अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय रिश्ते कमजोर हो सकते हैं। सबसे बड़ी चिंता ट्रंप की विश्वसनीयता को लेकर सामने आई है। एक सर्वे में सिर्फ 20 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ईरान मुद्दे पर ट्रंप के फैसलों पर पूरा भरोसा है, जबकि करीब 59 प्रतिशत लोगों ने उन पर भरोसा न होने की बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान से अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होकर इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने की अपील की है। ट्रंप ने इसे मध्य पूर्व में शांति और आर्थिक मजबूती के लिए जरूरी बताया। हालांकि पाकिस्तान ने ट्रंप को झटका देते हुए इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

दिल्ली जिमखाना क्लब पर सरकार की नजर!

6000 करोड़ की ऐतिहासिक जमीन खाली करने का आदेश

22 मई को क्लब को लिखे अपने पत्र में, एल एंड डीओ ने कहा कि उसे रक्षा अवसंरचना के लिए 27.3 एकड़ भूखंड की आवश्यकता है। एल एंड डीओ के पत्र में पट्टे के खंड 4 का हवाला दिया गया है जो सरकार को सार्वजनिक उद्देश्य के लिए भूमि पर "पुनः प्रवेश" करने की अनुमति देता है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली के बीचों-बीच एक ऐसी जगह है जहां कभी देश के बड़े अफसर, सेना के अधिकारी, उद्योगपति, राजनायक और सत्ता के सबसे प्रभावशाली लोग मिला करते थे। लगभग 100 साल पुराना यह क्लब सिर्फ एक क्लब नहीं है बल्कि दिल्ली की पहचान का हिस्सा माना जाता रहा है। लेकिन अब इसी ऐतिहासिक दिल्ली जिमखाना क्लब पर संकट मंडरा रहा है। केंद्र सरकार ने क्लब को आदेश दिया है कि वह 5 जून 2026 तक अपनी 27.3 एकड़ जमीन सरकार को सौंप दे। सरकार का कहना है कि यह जमीन राष्ट्र सुरक्षा और रक्षा ढांचे के लिए जरूरी है। लेकिन विपक्ष और क्लब के कई सदस्य सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इस फैसले के पीछे असली वजह क्या है? इस क्लब की शुरूआत ब्रिटिश दौर में हुई थी। साल 1913 में इसे इंपीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब के नाम से स्थापित किया गया था। आजादी के बाद इसका नाम बदलकर दिल्ली जिमखाना क्लब कर दिया गया। करीब एक सदी से ज्यादा समय तक यह क्लब दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में गिना जाता रहा। यहां बड़े सरकारी अधिकारी, सेना के वरिष्ठ अफसर, उद्योगपति, न्यायपालिका और राजनायक जैसे बड़े प्रभावशाली लोग सदस्य रहे हैं। कहा जाता है कि इस क्लब की सदस्यता मिलना भी किसी सम्मान से कम नहीं माना जाता था और कई लोगों को सदस्य बनने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था। वहीं दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित यह क्लब करीब 27.3 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें खेल सुविधाएं, लॉन, रेस्टोरेंट, कार्यक्रम स्थल और कई ऐतिहासिक इमारतें मौजूद है। दिलचस्प बात यह है कि क्लब का पता दो सफ्तरचंग रोड है और यह प्रधानमंत्री आवास लोक कल्याण मार्ग के बेहद नजदीक स्थित है। यानी कि देश के सबसे सुरक्षित और महत्वपूर्ण सरकारी इलाकों में से एक के बिल्कुल पास। अब आते हैं उस फैसले पर जिसने पूरे विवाद को जन्म दिया। भूमि एवं विकास कार्यालय यानी कि लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने क्लब को नोटिस जारी कर कहा है कि यह जमीन सरकार को वापस चाहिए और 5 जून तक परिसर खाली कर दिया जाए। सरकार का कहना है कि यह इलाका रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है और यहां रक्षा से जुड़े ढांचे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त जगह की जरूरत है। वहीं सरकारी आदेश में यह भी कहा गया है कि क्लब को यह जमीन केवल सामाजिक और खेल गतिविधियों के लिए पट्टे पर दी गई थी और सरकार के पास जरूरत पड़ने पर इसे वापस लेने का अधिकार है। अब इस पूरे मामले को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा क्लब की जमीन की कीमत को लेकर हो रही है। रियल स्टेट विशेषज्ञों के मुताबिक लुटियंस दिल्ली देश के सबसे महंगे इलाकों में गिना जाता रहा है और यहां जमीन की कीमत करीब 180 से ₹220 करोड़ प्रति एकड़ तक बताई जाती है और अगर इसी हिसाब से जिमखाना क्लब की 27.3 एकड़ जमीन का अनुमान लगाया जाए तो इसकी कीमत लगभग 5000 से ₹6000 करोड़ तक की पहुंच सकती है। यानी यह दिल्ली की सबसे कीमती जमीनों में से एक मानी जाती है। हालांकि केंद्र सरकार का पक्ष बिल्कुल साफ है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला किसी क्लब को निशाना बनाने के लिए नहीं लिया गया है।

पुरी से गिरफ्तार हुए TMC विधायक दिलीप मंडल, अवैध हथियार मामले में STF की बड़ी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के नेताओं की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। एक ओर सनातन धर्म पर कथित विवादित टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री ममता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने फरार TMC विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार कर लिया है। वे पिछले कई सप्ताह से पुलिस से बचते हुए फरार चल रहे थे। दरअसल, दक्षिण 24 परगना जिले में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान विधायक दिलीप मंडल के बेटे अर्घ्य मंडल को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। बेटे की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की, जिसमें विधायक की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। इसके बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए दिलीप मंडल फरार हो गए। पुलिस को चकमा देने के लिए वे लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे, लेकिन खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी के आधार पर STF ने आखिरकार उन्हें पुरी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ला रही है। कोलकाता पहुंचने के बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अदालत से लंबी कस्टडी की मांग कर सकती है, ताकि अवैध हथियार, धमकी और आय से अधिक संपत्ति जैसे मामलों में उनसे गहन पूछताछ की जा सके। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस पूरे मामले में कुछ अन्य प्रभावशाली और सफेदपोश लोगों की भी संलिप्तता हो सकती है। आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।दिलीप मंडल दक्षिण 24 परगना जिले की बिष्णुपुर विधानसभा सीट से TMC विधायक हैं। गिरफ्तारी से पहले उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हो चुकी थीं। हाल ही में भाजपा कार्यकर्ताओं को कथित रूप से धमकी देने वाले एक वायरल वीडियो को लेकर भी उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए थे। इसी सिलसिले में पुलिस ने उनके पायलान स्थित आवास पर छापेमारी की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का भी रुख किया था।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की आहट सिद्धारमैया से पद छोड़ने के संकेत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कर्नाटक की राजनीति पर इस वक्त पूरे देश की नजरें टिकी हुई है। जानकारी के अनुसार, राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 28 मई को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। मंगलवार को दिनभर कांग्रेस आलाकमान के साथ कर्नाटक के नेताओं की बैठक हुई है। सूत्रों के अनुसार, मीटिंग में सिद्धारमैया को इस्तीफा देने को कहा गया। खबर ये भी सामने आई है कि राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान सिद्धारमैया से उनकी राय नहीं पूछी गई थी। आइए जानते हैं कि इस बारे में क्या कुछ पता लगा है। जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी से वन टू वन मुलाकात से पहले सिद्धारमैया ने मौके की नजाकत को भांप लिया था और पूरी तैयारी करके गए थे। करीब दर्जन भर मंत्रियों को अपने साथ स्पेशल फ्लाइट में लेकर जाना भी इसी प्लान का हिस्सा था। सिद्धारमैया ने रणनीति बनाई थी कि चर्चा की शुरूआत ही वो कैबिनेट री-शफल की अपनी डिमांड के साथ करेंगे और अगर उनके तर्क से हाई कमान संतुष्ट नहीं हुआ तो सीनियर मंत्रियों को बुलाकर अपनी बात को और पुरजोर तरीके से रखेंगे। हालांकि, मीटिंग में ऐसा कुछ हो गया जिसकी कल्पना भी सिद्धारमैया ने नहीं की थी। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान सिद्धारमैया से उनकी राय नहीं पूछी गई बल्कि उनसे कहा गया कि पार्टी चाहती है कि वो राज्यसभा जाएं और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की सेवा करें और अपने पद से हट जाएं। सूत्र बताते हैं कि सिद्धारमैया से उनका ओपिनियन ही नहीं पूछा गया। राज्यसभा सीट के फैसले पर सिद्धारमैया ने सिर्फ इतना कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति करने की उनकी कोई मंशा नहीं है उन्हें कुछ समय चाहिए। यहीं पर मीटिंग खत्म हो गई। सिद्धारमैया से कहा गया था कि वो अपना फैसला KC वेणुगोपाल को बता दें। इसके बाद सिद्धारमैया ऊर्जा मंत्री K J जॉर्ज के घर गए, वहां पर बाकी मंत्रियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हाईकमान अपने फैसले पर अडिग है। उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिल पाया। सिद्धारमैया ने कहा कि वे तुरन्त बेंगलुरु लौट रहे हैं। इसके बाद K C वेणुगोपाल को सूचना दे दी गई कि राज्यसभा जाने की उनकी कोई इच्छा नहीं है, वे गुरुवार को अपना फैसला ले लेंगे।

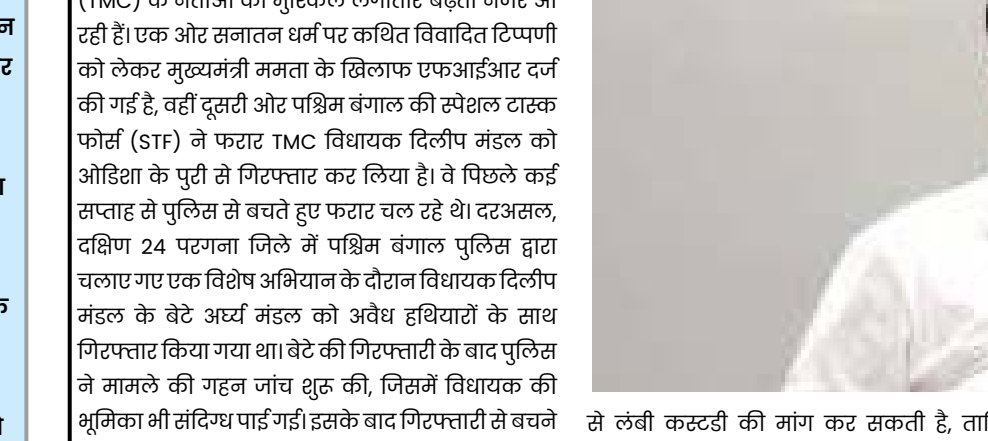

डिजिटल इंडिया समर इंटर्नशिप 2026 शुरू

नॉन-टेक्निकल छात्रों को मिलेगा ₹15 हजार मासिक स्टाइपेंड

नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) और डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) द्वारा वर्ष 2026 के लिए नॉन-टेक्निकल समर इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू किया गया है। यह प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

इस इंटर्नशिप का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल गवर्नेंस, नीति निर्माण, डाटा प्रबंधन, संचार और प्रशासनिक कार्यों जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। यह अवसर विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए लाभकारी है, जो सरकारी परियोजनाओं, डिजिटल इंडिया मिशन और सार्वजनिक नीति से जुड़कर सीखना और अपने कौशल को विकसित करना चाहते हैं। इस इंटर्नशिप के लिए वे ही छात्र आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने अपनी पिछली परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। इसके साथ ही आवेदक का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अध्ययनरत होना या हाल ही में स्नातक (पास आउट) होना आवश्यक है। 10 + 2 + 3 10 + 2 + 4 डिप्लोमा तथा इंटीग्रेटेड डिग्री पाठ्यक्रमों के प्री-फाइनल और अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भी इस इंटर्नशिप के लिए पात्र हैं। विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा अवसर इंटर्नशिप के अंतर्गत विभिन्न गैर-तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। इनमें प्रोग्राम मैनेजमेंट, डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंटेंट राइटिंग, डाटा प्राइवेसी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस दौरान विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने, शोध कार्य करने, सोशल मीडिया कंटेंट लिखने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन तथा डिजिटल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग जैसे कार्यों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस अनुभव से युवाओं की व्यावहारिक समझ के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल कौशल भी मजबूत होंगे। यह इंटर्नशिप जुलाई से सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। इसकी न्यूनतम अवधि दो महीने होगी, जिसे प्रदर्शन के आधार पर तीन महीने तक बढ़ाया जा सकता है। चयनित इंटर्न्स को प्रतिमाह 15,000 रुपये का स्टाइपेंड दिया जाएगा। यह राशि इंटर्नशिप पूरी करने और रिपोर्ट जमा करने के बाद प्रदान की जाएगी। इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जो उनके भविष्य के कॅरिअर में उपयोगी होगा। यह समर इंटर्नशिप नॉन-टेक्निकल वाले छात्रों के लिए शुरू की गई है।

60% अंकों वाले विद्यार्थी आवेदन के पात्र होंगे।

डिजिटल गवर्नेंस और डाटा मैनेजमेंट में सीखने का मौका मिलेगा।

चयनित छात्रों को पंद्रह हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा।

ड्रोन रिसर्च और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए बड़ी पहल

इंदिरा गांधी तकनीकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्लयू) में ड्रोन तकनीक में छात्राओं को उड़ान की नई ताकत मिलेगी। विश्वविद्यालय को दिल्ली सरकार के प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित करने के लिए 8 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। यह केंद्र देश में स्वदेशी ड्रोन तकनीक, अनुसंधान और कौशल विकास को नई गति देगा। प्रस्तावित सेंटर में एआई और मशीन लर्निंग आधारित ड्रोन सिस्टम, ड्रोन निर्माण एवं परीक्षण में शोध किया जाएगा। दिल्ली सरकार के प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत दिल्ली नॉलेज डेवलपमेंट फाउंडेशन (डीकेडीएफ) ने विवि में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए इस राशि को मंजूरी दी है। विश्वविद्यालय इस परियोजना के संचालन और शोध गतिविधियों के लिए अतिरिक्त 2.4 करोड़ की राशि स्वयं खर्च करेगा। इस पहल के तहत अत्याधुनिक लैब, आधुनिक सॉफ्टवेयर और एडवांस्ड रिसर्च सुविधाएं विकसित की जाएंगी। जहां छात्राएं और शोधकर्ता ड्रोन टेक्नोलॉजी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में काम कर सकेंगी। इस सेंटर का नेतृत्व आईजीडीटीयूडब्ल्यू की कुलपति प्रो. रंजना झा करेंगी। परियोजना की मुख्य टीम में प्रो. बृजेश कुमार, प्रो एके महापात्रा और प्रो. दीप्ति छाबड़ा सहित कई वरिष्ठ विशेषज्ञ शामिल हैं। प्रस्तावित सेंटर में एआई और मशीन लर्निंग आधारित ड्रोन सिस्टम, स्वायत्त यूएवी तकनीक, ड्रोन निर्माण एवं परीक्षण, सिमुलेशन तकनीक, ड्रोन फॉरेंसिक और काउंटर-यूएवी सिस्टम जैसे क्षेत्रों में शोध किया जाएगा।

हमने एमएस से कोई बात नहीं की

CEO कासी विश्वनाथन का बड़ा खुलासा

ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

पंजाब के पटियाला के रहने वाले थे

भारत के पूर्व शूटर और ओलंपियन रहे रणधीर सिंह का निधन हो गया है। वे करीब 79 साल के थे। रणधीर सिंह को अर्जुन अवॉर्ड मिला है, साथ ही वे भारतीय और एशियाई स्पोर्ट्स बॉडीज में अलग-अलग एडमिनिस्ट्रेटिव पदों पर भी रहे हैं। उन्होंने 1987 से 2012 तक इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन यानी IOA के सेक्रेटरी जनरल के तौर पर काम किया। रणधीर 2001 से 2014 के बीच इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी IOC के मेंबर भी रहे हैं। रणधीर सिंह सितंबर 2024 में नई दिल्ली में कॉन्टिनेंटल बॉडी की 44वीं जनरल असेंबली में ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) के प्रेसिडेंट चुने जाने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें 2028 तक चार साल के टर्म के लिए OCA प्रेसिडेंट चुना गया था। इस साल की शुरुआत में उनकी खराब सेहत की वजह से उनका टर्म समय से पहले खत्म हो गया। पंजाब के पटियाला के रहने वाले रणधीर स्पोर्ट्समैन के परिवार से थे और पांच बार ओलंपिक शूटर रह चुके थे। बताया जाता है कि अपने घर पर आखिरी सांस लेने से पहले कई दिनों तक रणधीर सिंह हॉस्पिटल में भर्ती थे। उन्होंने हाल ही में स्वास्थ्य दिक्कतों के चलते ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) के प्रेसिडेंट का पद छोड़ दिया था। इस बारे में नेशनल राइफल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के सेक्रेटरी राजीव भाटिया ने कहा कि वे बहुत दुख के साथ राजा रणधीर सिंह के निधन की दुखद खबर शेयर कर रहे हैं। राजा रणधीर सिंह ने शूटिंग स्पोर्ट्स और ओलंपिक मूवमेंट के विकास में बहुत कीमती योगदान दिया। रणधीर सिंह के शानदार स्पोर्ट्स करियर में पांच ओलंपिक मैच और 1978 के बैंकॉक एशियन गेम्स में ऐतिहासिक ट्रैप गोल्ड शामिल है।

वैभव के शतक का असर एसआरएच कैंप में

एलिमिनेटर के लिए बना रहे 'प्लान B

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 की सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। सिर्फ 15 साल की उम्र में राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनर ने पूरे टूर्नामेंट में तगड़े से तगड़े बॉलिंग अटैक की धज्जियां उड़ा दी हैं। वह 232 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 583 रन बना चुके हैं और ऑरेंज कैप के एक बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इस गिनती में पिछले महीने जयपुर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंदों में लगाया गया जबरदस्त शतक भी शामिल है, जो आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। राजस्थान रॉयल्स का सामना आज बुधवार को न्यू चंडीगढ़ में होने वाले एलिमिनेटर में एसआरएच से ही होगा। लेकिन, वैभव की वह पारी पारी अभी भी पैट कमिंस के दिमाग में है।जयपुर मैच से पहले तक सनराइजर्स हैदराबाद अकेली ऐसी टीम थी, जिसने वैभव पर कुछ हद तक काबू पाया था। सीजन के पहले हैदराबाद में हुए मैच में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में सूर्यवंशी को बिना खाता खोले आउट कर दिया था। लेकिन, जब दोनों टीमें जयपुर में फिर से आमने-सामने आईं तो वैभव पूरउसने तुरंत हिंगे की धज्जियां उड़ा दीं, पहले ओवर में ही चार छक्के मारे। इसके बाद उन्होंने 15 गेंदों में फिफ्टी बनाई और फिर उसे 36 गेंदों में शानदार शतक में बदल दिया। उनकी इस पारी का असर एसआरएच कैंप पर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है।ी तरह बदला लेने के मूड में आ गया।

स्टैंड्स में वाइफ को जादू की झप्पी!

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने कमाल कर दिया. गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-1 में जीत के साथ टीम ने लगातार दूसरी बार फाइनल में एंट्री मारी. हिमचाल प्रदेश के खूबसूरत धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में आरसीबी ने गुजरात पर पूरी तरह से अपना दबदबा बना कर रखा. मैच में आरसीबी की जीत के बाद टीम के दिग्गज विराट कोहली का वाइफ अनुष्का शर्मा के साथ एक रोमांटिक मोमेंट भी चर्चा में है. गुजरात पर जीत के बाद विराट कोहली स्टेडियम में मैच देखने आए अपने करीबियों और वाइफ से मिलने पहुंचे. इस दौरान विराट कोहली जैसे ही अनुष्का शर्मा के पास पहुंचे उन्होंने अपनी पत्नी को गले से लगा लिया. विराट-अनुष्का के बीच इस रोमांटिक पल को देख फैंस भी लट्टू हो गए हैं. बता दें अनुष्का शर्मा अक्सर मैच में विराट कोहली को सपोर्ट करने आती रहती हैं. वहीं, आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 में जीत के बाद अनुष्का शर्मा की खुशी सातवें आसमान पर दिख रही थी. गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दुनिया उन्हें बड़े मैच का प्लेयर क्यों कहते हैं. विराट ने वेकटेंश अय्यर के साथ मिलकर टीम को एक ठोस शुरुआत दी. मुकाबले में विराट ने 25 गेंद में 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 43 रनों की पारी खेली. वहीं, वेंकटेश अय्यर की बात करें तो उन्होंने सिर्फ 7 गेंद में 19 रन कूट दिए. गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 4 विकेट पर 254 रन का स्कोर खड़ा किया. अय्यर और विराट के अलावा आरसीबी की तरफ से कप्तान रजत पाटीदार ने भी धमाकेदार बल्लेबाजी की. पाटीदार ने टीम के लिए सिर्फ 33 गेंद में 93 रनों की धुआंधार पारी खेली. अपनी इस पारी में उन्होंने 9 छक्के और 5 चौके भी लगाए. इसके अलावा क्रुणाल पांड्या ने 43 और देवदत्त पडिक्कल ने भी 30 रनों का अहम योगदान दिया.

इथियोपिया के टीनएजर का तहलका, इंस्टाग्राम ने खुद किया फीचर

रीसायकल फैशन किंग बना शख्स

कंपनी की सोशल मीडिया पर इन दिनों फैशन फिट चेक का ट्रेंड काफी बढ़ गया है. ऐसे में इथियोपिया के एक लड़के ने भी ऐसे वीडियो बनाना शुरू किया. देखते ही देखते उसके लाखों फॉलोअर्स बन गए और उसके एक-एक वीडियों को करोड़ों बार देखा जा रहा है.

कबाड़ को हाई फैशन डिजाइनर कॉस्ट्यूम में बदल देता है ये लड़का (Photo - Instagram)

इन दिनों इंटरनेट पर एक लड़का धूम मचा रहा है. उसके एक-एक वीडियो पर करोड़ों व्यूज आ रहे हैं. वह सिर्फ 'फैशन फिट चेक' वीडियो बनाता है.

इसमें वह बेकार चीजों को फैशनेबल आउटफीट्स के रूप डिजाइन कर देता है. कुछ ही महीनों में उसके करीबन 2 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं. अपने वीडियो से भी ज्यादा यह लड़का इस बात के लिए चर्चा में है कि खुद उसे इंस्टाग्राम ने अपने अकाउंट पर फीचर करने का मैसेज भेजा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इथियोपिया के अदीस अबाबा का रहने वाला लड़का सोशल मीडिया पर अभी सबसे चर्चित फैशन क्रिएटर बना हुआ है. इंस्टाग्राम ने खुद इसे अपने अकाउंट पर फीचर करने के लिए मैसेज भेजा है. इंस्टाग्राम पर इसका @kalu-putics नाम से अकाउंट है. यह टीनएजर फैशन क्रिएटर बेकार चीजों को हाई-फैशन रनवे लुक्स में बदल देता है. प्लास्टिक बैग, टायर और कार्डबोर्ड जैसी रोजमर्रा की चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाकर यह उन्हें अनोखे और आधुनिक डिजाइन के आउटफिट्स में बदल देने की वजह से वायरल हो रहा है. उसने सिर्फ 21 वीडियो की मदद से, महज एक महीने में करीबन 19 लाख फॉलोअर्स बना लिए हैं. इनमें से कुछ वीडियो को तो करोड़ों बार देखा गया है. ⊙

फैशन क्रिएटर ने बटोरी सुर्खियां

इस शख्स के फीट चेक वीडियो की देखा-देखी अन्य लोग भी ऐसे ही वीडियो बनाते दिखाई दे रहे हैं. उसकी नकल करके बनाए गए काफी वीडियो वायरल हो रहे हैं. इन सबके बीच चर्चा बस इथियोपिया के इस फैशन क्रिएटर की हो रही है. जब से इंस्टाग्राम ने इसके वीडियो पर कमेंट किया है और सीधे मैसेज (DM) करने को कहा है. तब से इसकी और ज्यादा चर्चा हो रही है.

शख्स ने लाइन क्रॉस की तो लड़की ने सिखाया सबक

इंडियन प्रीमियर लीग के एक मुकाबले के दौरान हुई एक घटना ने सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छेड़ दी है. CSK के एक फैन ने GT की चीयरलीडर को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसे लोगों ने. हालांकि, चीयरलीडर ने जिस अंदाज़ में जवाब दिया, उसने पूरा माहौल ही बदल दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि फैन बैरिकेड के पास जाकर चीयरलीडर से कहता है कि तुम एंजेल जैसी लगती हो, लेकिन बिना ज्यादा मेकअप के और भी अच्छी लगोगी. ⊙

डैशकैम में कैद हुई लापरवाही

खुले मैनहोल ने ली महिला की 'परीक्षा'

पंजाब के फरीदकोट जिले के कोटकपूरा इलाके में एक महिला स्कूटी सवार का हादसा डैशकैम में कैद हो गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बहस छेड़ दी है. मामले के अनुसार, महिला अपनी एक्टिवा स्कूटी पर जा रही थी, तभी अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई. जानकारी के मुताबिक, स्कूटी तेज रफ्तार में थी और रास्ते में सीवरेज का ढक्कन उभरा हुआ था. स्कूटी उससे

टकराई और महिला सड़क पर गिर गई. आसपास मौजूद लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि इस हादसे में महिला को गंभीर चोटें आई हैं. ⊙

42 डिग्री की धूप और छोटे बच्चे का वादा

'PM बनूंगा तो स्कूल बंद कर दूंगा'

भीषण गर्मी का असर इस समय पूरे देश में देखने को मिल रहा है. कई शहरों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे आम लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है.

ऐसे मौसम में जहां बड़े लोग खुद को बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं, वहीं छोटे-छोटे बच्चे रोज स्कूल जाने को मजबूर हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक स्कूली बच्चे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने अपनी मासूम बातों से सभी का ध्यान खींच लिया है और लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. इस वायरल वीडियो में एक बच्चा, जो स्कूल यूनिफॉर्म में नजर आ रहा है, तेज धूप और गर्मी से

इस वीडियो ने लोगों को हंसाने के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा और स्कूल टाइमिंग को लेकर नई बहस भी छेड़ दी है. (Photo: X/@@rose_k01)

परेशान होकर अपनी बात रखता है. उसके चेहरे पर पसीना साफ दिखाई दे रहा है और आवाज में थकान भी झलक रही है. बच्चा कैमरे के सामने कहता है कि 42 डिग्री की इस चिलचिलाती धूप में बच्चे रोज स्कूल जाते हैं, जिससे उनकी तबीयत खराब हो सकती है. वह अपील करता है कि बच्चों पर थोड़ी दया की जाए और इतनी गर्मी में स्कूल जाने से राहत दी जाए.

बच्चे की बातों में न तो कोई बनावट है और न ही कोई दिखावा, बल्कि एक सच्ची परेशानी है, जिसे वह बेहद सरल शब्दों में सामने रखता है. यही वजह है कि यह वीडियो लोगों के दिल को छू रहा है. बच्चे की मासूमियत और ईमानदारी साफ दिखती है. वीडियो का सबसे दिलचस्प और थोड़ा मजेदार हिस्सा तब आता है, जब बच्चा भविष्य को लेकर अपनी योजना बताता है. वह कहता है कि जब वह बड़ा होकर प्रधानमंत्री बनेगा, तो गर्मियों में स्कूल जाना पूरी तरह बंद कर देगा. ⊙

मैं पूरी तरह गंजा हो गया था हनी सिंह ने सुनाई नशे और बीमारी से जंग की दर्दनाक कहानी

सिंगर, रैपर और हनी सिंह एक समय पर भारतीय पॉप म्यूजिक के स्टार हुआ करते थे। एक समय था जब उनके गानों का अलग ही क्रेज था। आज भी उनका क्रेज फैंस के बीच कायम है। उनके कॉन्सर्ट में हजारों की भीड़ जमा हो जाती है। लेकिन, हनी सिंह की जिंदगी में एक वो समय भी आया था, जब बेतहाशा शोहरत के बाद उनकी लाइफ पूरी तरह बदल गई। शराब, नशे और ड्रग्स के चलते वह एक अंधेरे कोने में जाते चले गए और फिर यहां से बाहर आने में उन्हें कई साल लग गए। 2024 में हनी सिंह ने अपनी डॉक्यूमेंट्री 'फेमस' में उन दिनों को याद किया था, जब वह नशे के चलते गर्त में चले गए थे और अब एक बार फिर उन्होंने खुद को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। हनी सिंह ने हाल ही में खुद को लेकर कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए और बताया कि वह पूरी तरह से गंजे हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब वह विग पहनते हैं। हनी सिंह ने 'एबीटॉक्स' व पॉडकास्ट में बताया कि नशे की लत और बाइपोलर डिसऑर्डर से अपनी जंग के दौरान उनके सिर के सारे बाल भी झड़ गए। ये सब दवाईयों के कारण हुआ। वह हैवी मेडिसिन में थे, जिसके साइडइफेक्ट्स के चलते उनके बाल झड़ने लगे और फिर वह पूरी तरह गंजे हो गए। हनी सिंह ने बातचीत के दौरान उस दौर के बारे में बात की जब ह ड्रग्स, नशे और बाइपोलर डिसऑर्डर से लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा- '2018-19 के बीच मैं ऐसे फेज में था, जहां मुझे लगने लगा था कि मैं मर चुका हूं। मुझे ऐसा फील होता था कि मैं मर गया हूं और नर्क और स्वर्ग के बीच कहीं फंस चुका हूं। मेरी मां जब मुझे खाना देती थी तो लगता था, कि ये अब आखिरी खाना है। सात साल तक मैं एक ही दवा ले रहा था, मगर ठीक ही नहीं हो रहा था। फिर मैंने घर से बाहर निकलने का फैसला किया और डॉक्टर भी बदल दिया। डॉक्टर ने कुछ नई दवाएं दीं, जिन्हें मैंने खाना शुरू किया। मेन दवा की डोज को एडस्ट किया और चार हफ्तों में ही असर दिखने लगा। मैंने फिर से लोगों से मिलना-जुलना और उनका सामना करना शुरू कर दिया।' हनी सिंह आगे कहते हैं- 'मैं सात साल से दवाईयो पर था, जिसका मेरे शरीर पर भी काफी बुरा असर हुआ। मेरा वजन 105 किलो हो गया और मेरे सारे बाल झड़ गए। ये जो बाल हैं, ये नकली हैं। ये विग है।' सिंगर ने माना कि 2014 में ड्रग्स छोड़ने के बाद भी उनके लिए सफर काफी मुश्किलों भरा रहा।

लखनऊ में सपा-बीजेपी के बीच पोस्टर वॉर तेज
राजभर समाज को लेकर होर्डिंग से बढ़ी सियासी तकरार

पंकज राजभर ने कहा- आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर बिलकुल जीरो है। साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि यहां पर राजभर समाज के लोग बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। मौजूदा सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर सिर्फ राजभर समाज की बात करते हैं।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सपा-बीजेपी के बीच होर्डिंग वार जारी है। बुधवार को सपा मुख्यालय के बाहर एक और होर्डिंग लगी। इसमें बीजेपी और सुभासपा पर निशाना साधा गया। होर्डिंग में आरोप लगाते हुए साल 2024 से लेकर 26 तक राजभर समाज पर अत्याचार का आरोप लगाया गया। होर्डिंग समाजवादी पार्टी के युवजन सभा के उपाध्यक्ष पंकज राजभर की तरफ से लगवाई गई है। इसमें सबसे ऊपर लिखा है- भाजपा सरकार में 2024 से 2026 के बीच में हुई राजभर समाज के लोगों की हत्याएं'। समाजवादी पार्टी में ही राजभर और पीडीए समाज के लोग सुरक्षित हैं। ओमप्रकाश राजभर सिर्फ हमारे नेता अखिलेश यादव पर हमला करना जानते हैं। उन्हें अपना समय समाज की सेवा और सुरक्षा में लगाना चाहिए। हम लोग राजभर समाज की लड़ाई लड़ रहे हैं और उन्हें न्याय जरूर दिलाएंगे। योगी सरकार में मंत्री और सुभासपा चीफ ओम प्रकाश राजभर ने गत रविवार को लखनऊ में ऑटो चलाया। वे ऑटो चलाकर पार्टी दफ्तर से अपने सरकारी आवास तक गए। मंत्री ने कहा, अखिलेश यादव ने बताया है कि ऑटो चलाते-चलाते सरकार चलाओ। संदेश यही है कि अब ऑटो वाले ओम प्रकाश राजभर। इससे पहले राजभर ने ऑटो चलाते हुए X पर फोटो पोस्ट किया। उन्होंने खुद को संघर्ष से निकला नेता बताते हुए अखिलेश की राजनीति को 'AC-PC और ट्विटर' वाली बताया था। उन्होंने कहा था, अखिलेश यादवजी, आप चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं... हम नहीं। हमारी इसी फोटो को लेकर आपके उजड्ड ट्रोलर लोग हमारी हंसी उड़ा रहे हैं। हमें हमारी औकात बता रहे हैं...।

जान लीजिए कि हमारी ये फोटो ही हमारा अभिमान है, हमारी आन-बान-शान है...। हमारे संघर्ष के दिनों की न जाने कितनी यादें बसी हैं इसमें। हमारा संघर्ष आज भी जारी है...। छोड़िए... आपको समझ में नहीं आएगी बात...क्योंकि आपको विरासत में बड़ी-बड़ी गाड़ी, लॉन में टहलाते कुत्ते, विदेश में पढ़ाई, सत्ता का पॉवर, पहले से तैयार मुख्यमंत्री की गद्दी मिली है। जिसे आपने गद्दी मिलने के बाद बस केवल ट्विटर, एसी और पीसी वाली राजनीति में बदल दिया है। इसीलिए आपको ऑटो-रिक्शा चलाने वाले, ठेला-पटरी वाले, गरीब आदमी हंसी के पात्र लगते होंगे। उड़ा लीजिए गरीबी का मजाक... और खूब उड़ भी लीजिए सातों आसमान तक...। बस यह बात गांठ बांध लीजिए कि 2027 में यही टेम्पो, रिक्शा, ठेला और खोमचा वाले मिलकर आपकी 2011 वाली विदेशी साइकिल को 2017 की तरह पलटेंगे भी और कचरेंगे भी...। इनका ऑटो भी बड़ा यूनिक होगा। सवारी पूछे 'किधर चलोगे?' तो जवाब आए 'जिधर सत्ता जाएगी उधर!' मीटर डाउन कम, बयान डाउन ज्यादा करते लग रहे हैं। और चेहरा ऐसा कि ऑटो में भी बैठो तो लगेगा अभी कहेंगे 'हमारी पार्टी निर्णायक भूमिका में है।'

राजधानी में शुक्रवार से करवट लेगा मौसम

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

नौतपा की भीषण गर्मी और लू से झुलस रहे उत्तर प्रदेश को 28 मई से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदलेगा। आंधी, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है। इससे तापमान में अच्छी गिरावट के साथ ही तपिश से फा ेरी ता ेर पर राहत के आसार हैं । मौसम विभाग के मुताबिक 28 और 29 मई को यूपी के कई जिलों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इस बीच बुधवार के लिए बांदा, आगरा, जालौन, हमीरपुर, महोबा और झांसी में लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मथुरा, हाथरस और फिरोजाबाद में ऑरेंज अलर्ट घोषित है। मंगलवार को बुंदेलखंड और दक्षिणी यूपी के जिले भीषण गर्मी की चपेट में रहे। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उरई में 45.4, झांसी में 45.5, प्रयागराज में 45.4 और आगरा में 45.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। नौतपा के दूसरे दिन मंगलवार को राजधानी में गर्मी और तपिश में इजाफा हुआ। बीती रात चली तेज हवाओं और हल्की बूंदाबांदी का असर दिन चढ़ने के साथ कमजोर पड़ा। तापमान में हल्की बढ़त दर्ज हुई। इसके साथ ही नमी से भरी पुरवा हवाओं की वजह से उमस में भी इजाफा हुआ। इससे पूरे दिन लोग पसीने से जूझते रहे। मौसम विभाग के अनुसार, 28 मई यानी शुक्रवार को राजधानी में मौसम के करवट लेने के आसार हैं। सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में 28 और 29 मई के दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश होने के संकेत हैं। आंधी-बारिश से 29 मई को तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पुरवा हवाओं की तपिश और नमी के कारण उमस और गर्मी अधिक महसूस हो रही है।

अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

अखिलेश यादव ने बुधवार को फिर से भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने अपने X अकाउंट से लिखा- अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने ये नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है। ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए, जनता को आपकी 'आपसी गर्मी' से तो राहत मिल जाएगी। क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं। भाजपा राज में बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के ख़िलाफ़ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करंट नहीं रहा। वहीं, मंगलवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की थी। उन्होंने कहा था कि पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है। इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की साजिश लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है। अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है। अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा सरकार "फेक एनकाउंटर" की तरह "फेक अर्थव्यवस्था" का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

रायबरेली सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता के कथित मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग से जुड़ी याचिका पर बुधवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई पर स्पष्ट किया कि सभी पक्ष अपने-अपने जवाब और जांच की प्रगति रिपोर्ट उसी तारीख तक प्रस्तुत करें।इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने CBI और ED समेत केंद्र सरकार के कई विभागों को नोटिस जारी कर 8 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की शिकायत पर एजेंसियों को जांच कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। कोर्ट ने 12 मई को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की अर्जी स्वीकार करते हुए भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT), वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग और कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय को मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी। इन सभी को विपक्षी पक्ष में शामिल किया गया है। 12 मई को सुनवाई के दौरान CBI की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ता की शिकायत प्राप्त हो चुकी है और एजेंसी 8 सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करेगी। वहीं ED की ओर से भी शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा गया कि आरोपों का सत्यापन किया जा रहा है और प्रगति रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी जाएगी।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर पर दिनदहाड़े फायरिंग
CCTV में कैद हुई वारदात

लखनऊ में एक प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार दी गई। बदमाश पिस्टल लहराते हुए मौके से भाग निकले। आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र में कल्ली पश्चिम में बुधवार दोपहर में हुई। घटना का एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज मिला है। उसमें बेखौफ बदमाश प्रॉपर्टी डीलर पर ताबड़तोड़ गोलियां दागते दिख रहे हैं। घायल प्रॉपटी डीलर की पहचान जौनपुर के रहने वाले संदीप सिंह के रूप में हुई। गोली चलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले हैं। वर्तमान में अपने परिवार के साथ कालिंदी पार्क के पास रहते हैं। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। बुधवार दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच वह अपने ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव मार्केट में अपने ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे। तभी अपाचे बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट पहने था, जबकि पीछे बैठा हमलावर कपड़े से चेहरा ढक रखा था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेजी से मौके से फरार हो गए। इससे साफ है कि हमलवार पेशेवर बदमाश थे। घायल संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं। एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारी प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ऑफिस और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है। हमलावरों की पहचान की कोशिश जारी है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश सहित विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है।

संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई गई सुरक्षा, पुलिस बल तैनात

सड़क पर नमाज की अनुमति नहीं, चिन्हित स्थानों पर ही होगी अदा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में बकरीद पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बुधवार शाम को आईजी किरण एस उन्नाव पहुंचीं और उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख बाजारों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की। आईजी ने अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की, जिसमें बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि त्योहार को लेकर पुलिस और प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पिकेटिंग, सेक्टर मोबाइल और क्लस्टर मोबाइल की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना है। आईजी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे छोटी से छोटी घटनाओं पर भी गंभीरता से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की अफवाह न फैले। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बकरीद के दौरान सड़क पर नमाज अदा करने के संबंध में शासन के निर्देशों का

पालन कराने पर विशेष जोर दिया गया। आईजी ने बताया कि संबंधित पक्षों से वार्ता की जा चुकी है और उनसे अनुरोध किया गया है कि नमाज केवल चिन्हित और निर्धारित स्थानों पर ही अदा की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में सड़क पर नमाज नहीं होने दी जाएगी। यदि किसी स्थान पर भीड़ अधिक होती है, तो वहां दो या अधिक शिफ्टों में नमाज अदा कराने की व्यवस्था की जाएगी। कुर्बानी को लेकर भी प्रशासन ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आईजी ने बताया कि खुले में जानवरों की कुर्बानी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। शासन की एसओपी के अनुसार केवल अधिकृत बूचड़खानों अथवा पूर्व से चिन्हित स्थानों पर ही कुर्बानी की अनुमति होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुर्बानी के बाद निकलने वाले अपशिष्ट को खुले में न फेंकें, क्योंकि इससे गंदगी और बीमारियां फैलने का खतरा रहता है। प्रशासन द्वारा साफ-सफाई और कचरा निस्तारण की समुचित व्यवस्था की गई है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमें लगातार गश्त करेंगी। इन इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। आईजी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर DM सख्त

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा में स्वास्थ्य योजनाओं में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और सुधार के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना की ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा की। विकास खंड सरोसी में आयुष्मान जनरेशन की खराब प्रगति पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। इसके परिणामस्वरूप, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सरोसी का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिए एक प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों को शत-प्रतिशत टीबी मुक्त बनाने के लिए सर्वे कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की जानकारी लेने पर संतोषजनक प्रगति न मिलने पर उन्होंने अभियान में तेजी लाने को कहा। टीकाकरण कार्यक्रम की भी गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एमआर-1, एमआर-2, डीपीटी-5 और मीजल्स-रूबेला टीकाकरण कवरेज की समीक्षा करते हुए सभी एमओआईसी (प्रभारी चिकित्सा अधिकारी) को निर्देश दिए।

उन्नाव में 4 केंद्रों पर 1550 परीक्षार्थी देंगे एग्जाम, DM ने की समीक्षा

उन्नाव में संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और परीक्षा केंद्र प्रतिनिधियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि 31 मई को होने वाली उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा पूरी शुचिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश पुस्तिका का गहन अध्ययन करने को कहा गया ताकि किसी भी भ्रम की स्थिति से बचा जा सके। मीना ने निर्देश दिए कि प्रश्नपत्र समय पर सभी परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने चाहिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से सक्रिय रहें। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षा कर्मियों और कक्ष निरीक्षकों को गहन जांच करने के निर्देश दिए गए ताकि कोई भी परीक्षार्थी अनुचित सामग्री लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश न कर सके। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और आवश्यकता पड़ने पर महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बैग जमा करने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। परीक्षा आयोग के मानकों के अनुरूप समयबद्ध और त्रुटिहीन तरीके से परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

भाजपा ने केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित की जिला कार्यशाला

उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक जिला कार्यशाला का आयोजन किया। बुधवार को जिला कार्यालय में आयोजित इस कार्यशाला का विषय "सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण" था। कार्यशाला में आगामी महाअभियान "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" की रणनीति तैयार की गई। यह अभियान 5 जून से शुरू होकर 21 जून 2026 तक चलेगा। मुख्य वक्ता अर्चना मिश्रा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्ष गरीबों, वंचितों, महिलाओं और किसानों के कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी कार्यक्रमों की शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग "सरल ऐप" के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अभियान की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम के तहत व्यापक वृक्षारोपण से होगी। इसके बाद, 8 से 14 जून तक सांसद, विधायक और मंत्री विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर जनता से संवाद करेंगे। इस दौरान समाज, शिक्षा, साहित्य और खेल जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 14 से 16 जून तक ब्लॉक स्तर पर विशाल जनकल्याण शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें आयुष्मान भारत योजना और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 16 और 17 जून को "विकसित भारत संकल्प सम्मेलन" तथा 17 से 20 जून तक विकास प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 18 और 19 जून को विशेष किसान कार्यशाला आयोजित करने की भी घोषणा की गई। इस महाअभियान का समापन 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंडल स्तर पर सामूहिक योग शिविरों के साथ होगा। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद, भ्रष्टाचार और नकारात्मक राजनीति से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा प्राप्त की है। विधायकों श्रीकांत कटियार, बंबालाल दिवाकर और अनिल सिंह ने कार्यकर्ताओं से विपक्ष के "झूठे नैरेटिव" का तथ्यों के साथ जवाब देने का आह्वान किया। सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार करने का आह्वान किया। कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मनीष जायसवाल ने किया।

उन्नाव में आपत्तिजनक होर्डिंग विवाद ने पकड़ा राजनीतिक रंग

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में कथित आपत्तिजनक होर्डिंग लगाए जाने का मामला बुधवार को राजनीतिक रंग ले गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे पर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सपा की पूर्व प्रत्याशी डॉ. आंचल वर्मा एक सफेद साड़ी पहनकर पहुंचीं, जिस पर काले अक्षरों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों और भाजपा सरकार पर आरोपों से संबंधित संदेश लिखे थे। डॉ. आंचल वर्मा ने बताया कि उनकी साड़ी महिलाओं पर हुए अत्याचारों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उन्नाव, हाथरस और लखीमपुर खीरी जैसी घटनाओं में बेटियों के साथ हुई दर्दनाक वारदातों को दर्शाने के लिए उन्होंने यह विरोध स्वरूप साड़ी पहनी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उन्नाव की उस पीड़िता की पीड़ा आज भी लोगों के दिलों में जीवित है, जिसे सड़कों पर जिंदा जलाने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। हाथरस और लखीमपुर खीरी की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों के खिलाफ बढ़ते अपराध सरकार की नाकामी को उजागर करते हैं। डॉ. आंचल वर्मा ने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को महिला विरोधी बताने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों को भी उठाया। वहीं, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश यादव और पूर्व सांसद अन्नू टण्डन ने आरोप लगाया कि जिले समेत कई जनपदों में लगाए गए होर्डिंग भाजपा प्रायोजित हैं। उन्होंने कहा कि यह सब जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मूल समस्याओं से भटकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर डीजल-पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रित करने और युवाओं को रोजगार प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

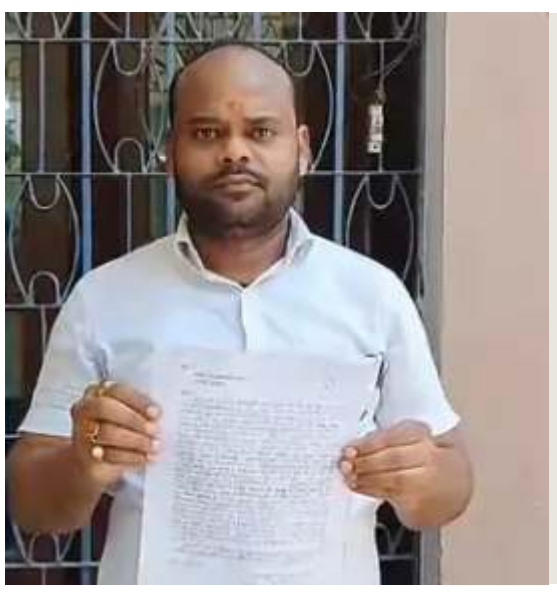

उन्नाव में फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन कब्जाने का आरोप

उन्नाव जिले की पुरवा तहसील में जमीन पर अवैध कब्जे और फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूमि हड़पने का एक मामला सामने आया है। पीड़ित ने डीएम से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि पिछले 13 महीनों में 38 शिकायतें देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मिरी चौराहा कस्बा व थाना पुरवा निवासी अमित कुमार उर्फ जय जय गुप्ता पुत्र राम प्यारे ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनकी भूमि ग्राम करवा पश्चिम, तहसील पुरवा में स्थित है। पीड़ित के अनुसार, गाटा संख्या 484 रकबा 0.2020 हेक्टेयर और गाटा संख्या 1500 रकबा 1.7500 हेक्टेयर भूमि उनके नाम दर्ज है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोगों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनकी जमीन के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया है और उस पर निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। पीड़ित का कहना है कि जिन लोगों के नाम से दस्तावेज तैयार किए गए हैं, उनका संबंधित भूमि में कोई अधिकार या नाम दर्ज नहीं है। शिकायती पत्र में यह भी बताया गया है कि इस मामले की शिकायत पहले भी प्रशासन से की गई थी, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए थे। जांच के दौरान क्षेत्रीय लेखपाल की आख्या में फर्जीवाड़े और छलपूर्वक भूमि कब्जाने की बात सामने आई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक फर्जी बैनामा और दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर दूसरा दस्तावेज तैयार कराया गया, जिसकी प्रतियां भी शिकायत पत्र के साथ संलग्न की गई हैं। पीड़ित अमित कुमार ने यह भी आरोप लगाया कि जब भी वह अपनी भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को रोकने पहुंचते हैं, तो आरोपी उनके साथ गाली-गलौज करते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार उन पर हमला करने का प्रयास भी किया गया, जिसकी शिकायत थाना स्तर पर की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

योगी सरकार सख्त, खुले में नमाज़ और कुर्बानी पर रोक सुरक्षा-स्वच्छता को लेकर जारी किए 10 निर्देश

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का 38 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया, जबकि शुरुआती जानकारी के मुताबिक वह लंबे समय से लंग्स की समस्या से जूझ रहे थे।

देशभर में ईद-उल-अधा (बकरीद) की तैयारियां ज़ोरों पर हैं, ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहार से पहले सख्त निर्देश जारी किए हैं। रविवार को हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने राज्य भर के पुलिस अधिकारियों और जिला मजिस्ट्रेटों को सतर्क रहने और त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने आदेश दिया है कि ईद-उल-अधा के दिन खुले स्थानों पर न तो नमाज़ पढ़ी जाएगी और न ही कुर्बानी दी जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी ने बकरीद के उत्सव से संबंधित 10 सख्त निर्देश जारी किए हैं; आइए इन पर विस्तार से नज़र डालते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि नमाज़ केवल मस्जिद परिसर के अंदर ही अदा की जानी चाहिए और किसी भी परिस्थिति में खुले सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर नमाज़ नहीं अदा की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि नमाज़ अदा करने के लिए सड़कों को अवरुद्ध नहीं किया जाना चाहिए और सुझाव दिया कि यदि नमाज़ियों की संख्या अधिक हो तो नमाज़ बारी-बारी से अदा की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे निर्देश दिया कि खुले क्षेत्रों में पशु बलि नहीं दी जानी चाहिए और प्रतिबंधित जानवरों की बलि पर सख्त रोक लगा दी। त्योहार के दौरान स्वच्छता पर जोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पशु बलि के बाद किसी भी प्रकार की अस्वच्छ स्थिति उत्पन्न न हो और अधिकारियों को उचित स्वच्छता व्यवस्था करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उपद्रवियों पर कड़ी निगरानी रखने और ईदगाहों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का भी निर्देश दिया। सुरक्षा बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी का भी आदेश दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान पर सरकार का पूरा जोर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का तय समयसीमा के भीतर उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। 'जनता दर्शन' में शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कुछ मामले भी सामने आए।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ गईं

बक़रीद से पहले एक बार फिर से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ गयी है, उनपर एक और FIR दर्ज होने के बाद फिर से कानपुर में सियासी माहौल में गर्म हो चुका है। दरअसल कानपुर के चमनगंज थानाक्षेत्र स्थित हलीम ग्राउंड में लगने वाली बकरा मंडी मंगलवार देर रात अचानक विवाद का केंद्र बन गई। मामला उस समय गरमा गया जब सीसामऊ के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी पर मंडी संचालकों की ओर से रंगदारी मांगने, गाली-गलौज और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। विवाद के बाद मौके पर भारी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग जमा हो गए। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि मंडी के गेट बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और पूर्व विधायक के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए जाने लगे।अब इस पूरे मामले में इरफान सोलंकी के खिलाफ FIR भी दर्ज कर ली गई है, जिसके बाद मामला और अधिक चर्चाओं में आ गया है। मामले के अनुसार हलीम ग्राउंड में वर्षों से बकरा बाजार संचालित किया जाता है। बकरीद को देखते हुए इन दिनों मंडी में काफी भीड़ है और बड़ी संख्या में व्यापारी व खरीददार वहां पहुंच रहे हैं। इसी बीच मंगलवार रात पूर्व विधायक इरफान सोलंकी अपने कुछ सहयोगियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ मंडी पहुंचे। इसके बाद घटनास्थल पर विवाद की स्थिति पैदा हो गई।

गर्मी से लड़ने की नई तकनीक की शुरुआत गर्मी से राहत देने के लिए हाईटेक एसी हेल्मेट

गाजियाबाद में बढ़ती भीषण गर्मी और लू के बीच ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए एक बड़ी राहत की शुरुआत की गई है। लंबे समय तक धूप में खड़े होकर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों की कठिनाइयों को देखते हुए अब उन्हें एसी हेलमेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान तापमान का असर कम हो सके। इन एसी हेलमेट में विशेष टेम्प्रेचर कंट्रोल डिवाइस लगाई गई है, जो तेज धूप और गर्म हवा में भी अंदर का तापमान नियंत्रित रखती है। इससे पुलिसकर्मियों को अत्यधिक गर्मी और पसीने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। यह तकनीक ड्यूटी के दौरान उनकी एकाग्रता और ऊर्जा बनाए रखने में मदद करेगी। गाजियाबाद में ट्रैफिक पुलिस को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए जो एसी हेल्मेट दिए गए हैं, वे सामान्य हेल्मेट नहीं बल्कि एक मिनी कूलिंग सिस्टम से लैस हाईटेक डिवाइस हैं। इनका उद्देश्य सड़क पर घंटों खड़े रहकर काम करने वाले पुलिसकर्मियों को हीट स्ट्रेस से बचाना है। यह एसी हेल्मेट एक बैटरी-ऑपरेटेड कूलिंग सिस्टम पर काम करता है। इसमें छोटा फैन और टेम्प्रेचर कंट्रोल डिवाइस लगी होती है, जो हेल्मेट के अंदर लगातार हवा का प्रवाह बनाए रखती है। इससे सिर के आसपास का तापमान बाहर की तुलना में लगभग 8 से 15 डिग्री तक कम किया जा सकता है। कुछ मॉडल में यह सिस्टम स्कैल्प और माथे के आसपास सीधे कूलिंग देता है, जिससे लंबे समय तक धूप में खड़े रहने पर भी थकान और पसीना कम होता है। भीषण गर्मी में ट्रैफिक कंट्रोल करना पुलिसकर्मियों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह हेल्मेट शरीर के तापमान को नियंत्रित करके हीट स्ट्रेस, चक्कर और थकान को कम करता है। अधिकारियों का कहना है कि इससे पुलिसकर्मी ज्यादा सतर्क और सक्रिय होकर ड्यूटी कर पाएंगे। वेबसाइट और इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसे एसी हेल्मेट की कीमत बाजार में लगभग 6,000 रुपये से लेकर 16,500 रुपये के बीच होती है।

सपा का प्रदर्शन: नेताओं की मौजूदगी में हुआ प्रदर्शन

संभल जनपद के बहजोई स्थित जिला कलेक्ट्रेट में उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महंगाई और नीट परीक्षा में धांधली का मुद्दा उठाकर जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय परिसर में हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी देर तक गर्म रहा और प्रशासनिक परिसर में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारी जब जिलाधिकारी कार्यालय की ओर ज्ञापन सौंपने पहुंचे तो गेट पर तैनात पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थिति बिगड़ते देख अपर जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचे और हस्तक्षेप किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करके माहौल को शांत कराया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल से मिलने की अनुमति दी गई। बातचीत के बाद सपा प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और प्रदर्शन को समाप्त किया गया। सपा प्रतिनिधिमंडल, जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वापस लौट गया। इस प्रदर्शन में कई प्रमुख नेता और जनप्रतिनिधि शामिल रहे। राज्यसभा सांसद जावेद अली खान, संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क, गुन्नौर विधायक रामखिलाड़ी यादव, संभल विधायक इकबाल के पुत्र सुहैल इकबाल, पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी, पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान खां और जिला महासचिव कृष्णमुरारी शंखधार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर महंगाई और परीक्षा प्रणाली को लेकर सरकार पर सवाल उठाए।